**भारत सरकार**
**नागर विमानन मंत्रालय**
**लोक सभा**
**लिखित प्रश्न संख्या : 3139**
**गुरुवार, 18 दिसम्बर, 2025, 2025/13 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर**

**छोटे शहरों के लिए हवाई संपर्क**

**3139. श्रीमती शांभवीः**
**श्री राजेश वर्माः**
**डॉ. लता वानखेड़ेः**
**श्री अतुल गर्गः**

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) हाल ही में स्थापित नए विमानपत्तनों का ब्यौरा क्या है और यह तीव्र विस्तार देश में, विशेषकर बिहार में उड़ान योजना की क्षमता में वृद्धि करते हुए छोटे नगरों की कनेक्टिविटी में किस प्रकार सुधार करेगा;

(ख) उड़ान के वर्तमान सांख्यिकीय आंकड़े क्या हैं और परिचालन मार्गों एवं सम्बद्ध वायुपत्तनों की कुल संख्या कितनी है और उड़ान यात्री कैफे पहल की मौजूदा स्थिति, निर्धारित स्थानों और कार्यों का ब्यौरा क्या है;

(ग) विस्तारित परिचालनात्मक अवसंरचना क्या है और विशिष्ट संसाधन आवंटन कितना है और उड़ान की 120 नए स्थानों पर विस्तार करने की योजना से चार करोड़ अतिरिक्त यात्रियों को किफायती यात्रा की सुविधा प्राप्त होगी, तत्संबंधी व्यवहार्यता अन्तराल वित्तपोषण (वीजीएफ) कितना होगा;

(घ) "फेयर्स से फुर्सत" नामक निर्धारित कम विमान किराया योजना का ब्यौरा क्या है और उक्त निर्धारित किराया संबंधी पहल किस प्रकार यात्रियों के लिए विमान टिकट कीमतों को स्थिर करेगी; और

(ङ) वर्ष 2027 के बाद अवसंरचना के विकास और 'उड़ान' योजना के विस्तारित ढांचे का लाभ उठाकर टिकट की कीमतों को स्थिर करने और टिकाऊ एवं किफायती हवाई यात्रा सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

**उत्तर**
**नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)**

(क) और (ख): 'असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों के पुनरुद्धार' योजना के तहत, उस हवाईअड्डे को विकसित किया जाता है जिसे उड़ान योजना के अंतर्गत अवार्ड किए गए मार्गों में शामिल किया गया है और उड़ान योजना के प्रचालन शुरू करने के लिए उसका उन्नयन/विकास की आवश्यकता है। उस हवाईअड्डे के विकास और तैयार होने पर, चयनित एयरलाइन प्रचालकों (एसएओ) द्वारा इन हवाईअड्डों को जोड़ने वाले अवार्ड किए गए उड़ान मार्गों पर परिचालन शुरू किया जाता है। दिनांक 30.11.2025 तक, आरसीएस-उड़ान योजना के तहत 651 मार्गों के माध्यम से 93 हवाईअड्डों/हेलीपोर्टों/वाटर-एयरोड्रोमों का प्रचालनरत किया गया है।

बिहार राज्य में, उड़ान योजना के तहत 8 हवाईअड्डों की पहचान की गई है, जिनमें से 2 हवाईअड्डों, दरभंगा और पूर्णिया को पहले ही प्रचालनरत कर दिया गया है।

उड़ान यात्रा कैफे एक बजट अनुकूल पहल है, जिसे हवाईअड्डों पर यात्रियों को किफायती, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन और पेय पदार्थ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। उड़ान यात्रा कैफे वर्तमान में कोलकाता, चेन्नई, पूणे, भुवनेश्वर, विजयवाड़ा और होलोंगी में प्रचालनरत हैं।

(ग) से (ङ): देशभर में 120 नए गंतव्यों के लिए क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने हेतु संशोधित उड़ान योजना वर्तमान में अनुमोदन स्तर पर है।

उड़ान योजना लागत राजस्व अंतराल को कवर करने के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) के साथ-साथ केंद्र/राज्य सरकार और हवाईअड्डे के प्रचालक रियायतों के माध्यम से एयरलाइनों को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है। वीजीएफ समर्थित आरसी सीटों के लिए हवाई किराया तिमाही सूचकांक के साथ रियायती दरों पर सीमित है। ये उपाय हवाई यात्रा की सामर्थ्य और स्थिरता को बढ़ाते हैं।

मैसर्स एलाइंस एअर एविएशन लिमिटेड, सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (पीएसयू), भारत सरकार ने पायलट आधार पर दिनांक 13.10.2025 से 31.12.2025 तक यात्रा तिथियों के लिए चयनित 25 मार्गों पर निश्चित किराया प्रदान करते हुए एक मार्ग, एक किराया योजना शुरू की है।

******